हिंदी दैनिक

मेट्रो सिटी

नागपुर मेट्रो समाचार

नागपुर, सोमवार, 16 जून 2025

अज्ञात बुजुर्ग की संदिग्ध हालत में मौत

नागपुर. सक्करदरा थाना क्षेत्र में बिंझानी महाविद्यालय स्थित क्रिकेट ग्राउंड के पास एक अज्ञात बुजुर्ग व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में बेहोश मिला। मेडिकल अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस मामले में आकस्मिक मृत्यु की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार यह घटना 13 जून 2025 की शाम करीब 7 बजे की है, जब बिंझानी महाविद्यालय के पास हनुमान मंदिर के नजदीक स्थित मैदान में एक अज्ञात व्यक्ति बेसुध हालत में पड़ा हुआ पाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मृत व्यक्ति की उम्र लगभग 60 से 65 वर्ष के बीच है। उसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। मनोज शंकरराव बावणे (40) डायमंड नगर, नंदनवन निवासी ने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी, जिसके आधार पर पुलिस उपनिरीक्षक भोंगाडे ने सक्करदरा थाने में आकस्मिक मृत्यु की रिपोर्ट दर्ज की है।

महल इलाके के गोदाम में आग लगने से दो की मौत

कारोबारी भाइयों पर मामला दर्ज

नागपुर.

शहर के महल इलाके में शनिवार की अग्निकांड हादसे में दो लोगों की मौत हो गई । यह हादसा एक गोदाम में आग लगने के कारण हुआ है, जहां पटाखों और बिजली के सामान का भंडारण किया गया था। कोतवाली पुलिस ने इस मामले में कारोबारी भाईयों के खिलाफ धारा 106(1), 288, 3(5) भा.न्या.सं के तहत मामला दर्ज किया है, जिन पर यह मामला दर्ज किया गया है, उनमें गिरीश मुरलीधर खत्री (37) और आशु मुरलीधर खत्री (31) फ्लैट नं. 208, जयकमल कॉम्प्लेक्स के पास , कोतवाली, नागपुर निवासी का समावेश है। उन मामलों से संबंधित है जहां किसी व्यक्ति की मृत्यु लापरवाही या जल्दबाजी में किए गए कार्य से होती है, जो गैर-इरादतन हत्या की श्रेणी में नहीं आती है. इस धारा के तहत, दोषी व्यक्ति को पांच साल तक की कैद और जुर्माने की सजा दी जा सकती है।

दमकल विभाग भेजेगा नोटिस : निवासी बिल्डिंग में वह कैसे गोदाम चला रहे थे। इसकी जांच की जा रही है। उधर दमकल विभाग भी सोमवार को इस मामले में बिल्डिंग में किराए से फ्लैट का कमरा लेने और देनेवाले को नोटिस भेजेगी। घटना जिस बिल्डिंग में हुई है। उस बिल्डिंग में एम के लाइट हाउस को किराए पर देते समय क्या- क्या नियमों और शर्तों का पालन किया गया था। इसकी गहन जांच के बाद संबंधितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसकी पुष्टि अग्निशमन विभाग के मुख्य अधिकारी तुषार बाराहाते ने कहा कि इस घटना के लिए जिम्मेदारों पर कार्रवाई अवश्य की जाएगी। दमकल विभाग का कहना है कि फिलहाल आग कैसे लगी इसकी वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है, लेकिन माना जा रहा है कि पटाखों, कुछ विस्फोटक और बिजली के सामान के भंडारण में लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है।

सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम नहीं था : आरोपियों पर लापरवाही के कारण दो लोगों की मौत का आरोप लगाया गया है। आरोपियों ने कथित तौर पर सुरक्षा व्यवस्था की अनदेखी की और पटाखों के भंडारण के दौरान लापरवाही बरती, जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस हादसे के पीछे और कौन-कौन से कारण हो सकते हैं। हादसा नागपुर के कोतवाली क्षेत्र में हुआ है और इसने पूरे क्षेत्र को हिला कर रख दिया है। पुलिस की जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस हादसे के लिए कौन जिम्मेदार है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

हादसे में नौकर और कारोबारी की गई जान

गंगाबाई घाट गुजर नगर कोतवाली निवासी व शिकायतकर्ता अनीता ईश्वर धोटे ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि उनके बेटे प्रतीक धोटे की मौत इस हादसे में हुई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों गिरीश मुरलीधर खत्री और आशु मुरलीधर खत्री के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हादसे में कारोबारी गिरीश खत्री की भी आग में जलने से मौत हो गई है। प्रतीक इनकी दुकान का नौकर था, जिसकी आग में जलने पर मौत हो गई। हादसे में आग में झुलसे गुणवंत नागपुरकर का उपचार मेडिकल अस्पताल में शुरू होने की जानकारी कोतवाली पुलिस ने दी है। घटना को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

भाजपा दिव्यांग विकास आघाड़ी का जनसंवाद कार्यक्रम संपन्न

नागपुर.

भाजपा नागपुर शहर अध्यक्ष दयाशंकर तिवारी, माजी भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष सुधाकर कोहले, भाजपा नागपुर ग्रामीण अध्यक्ष मनोहर कुंभारे काटोल एवं भाजपा नागपुर ग्रामीण अध्यक्ष अनंतराव राऊत उमरेड़ के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी दिव्यांग विकास आघाड़ी महाराष्ट्र प्रदेश के विदर्भ प्रभारी अमोल देवाजी वालके के नेतृत्व में प्रत्येक रविवार को दिव्यांग जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस कार्यक्रम में उमरेड़, सावनेर, मोहपा, वाड़ी, कामठी, भीवपुर, नागपुर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में दिव्यांगजन उपस्थित होते हैं और अपनी समस्याओं का विवरण दर्ज कराते हैं। इस अवसर पर दिव्यांग मित्रों को शासन की ओर से उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं और योजनाओं जैसे स्वयं रोजगार हेतु सुलभ कर्ज योजना, यूडीआईडी कार्ड, रेलवे पास, ई-रिक्शा, बैटरी संचालित साइकिल, राशन कार्ड, संजय गांधी निराधार योजना और मेडिकल सुविधाओं की जानकारी प्रदान की जाती है।

कार्यक्रम का संचालन प्रमोद राऊत ने किया, जबकि डॉ. राजू राऊत, नीलेश राऊत, सूर्यकांत वारजुरकर, मोहन डिकोंडवार, धनंजय उपासनी, मनोज धोटे एवं हीरालाल गुप्ता जैसे सहयोगी सदैव इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इस बार 102 से अधिक दिव्यांगजनों ने अपनी समस्याएं दर्ज करवाई. इस विशेष अवसर पर प्रसिद्ध टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के किरदार 'रोशन सिंह सोढ़ी' उर्फ़ गुरुचरण सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने दिव्यांगजनों के साथ संवाद स्थापित कर उनका हौसला बढ़ाया और कार्यक्रम में उपस्थित सभी दिव्यांगजन के साथ फोटो भी खिंचवाई।

गुरुचरण सिंह की उपस्थिति में दिव्यांगजनों की समस्याओं को समझते हुए एक विशेष फॉर्म लॉन्च किया गया, जो उनके मुद्दों के समाधान के लिए बनाया गया है। गुरुचरण सिंह ने दिव्यांगजनों को आश्वासन देते हुए कहा कि अमोल वालके जी एक समर्पित एवं सर्वश्रेष्ठ नेता हैं, जो दिव्यांगजन कल्याण के लिए समाज में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। उन्होंने सभी दिव्यांगजनों से आग्रह किया कि वे हर रविवार मानेवाड़ा लवकुश नगर वाल्के सेलिब्रेशन हॉल में आयोजित होने वाले इस दिव्यांग जनसंवाद कार्यक्रम में नियमित रूप से भाग लें और इस अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए अम्मोल देवाजी वालके विदर्भ प्रभारी , भाजपा दिव्यांग विकास आघाडी ,महाराष्ट्र प्रदेश से नीचे दी गई वेबसाइट पर संपर्क करें. www.ammoldwalkke.com, email- bjpammolwalke@gmail.com 9922041000 , 9922478888.

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों का स्नेहसम्मेलन

भावनाओं और सम्मान का अद्वितीय संगम

नागपुर.

शहर पुलिस मुख्यालय के अलंकार हॉल में एक भावनात्मक और प्रेरणादायक आयोजन हुआ, जहां नागपुर शहर के सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों व अंमलदारों का स्नेहसंमेलन बड़े ही आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन नागपुर के पुलिस आयुक्त डॉ. रवींद्र सिंगल की कल्पना और पहल पर आधारित था। कार्यक्रम में 378 सेवानिवृत्त अधिकारी-कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस स्नेहसंमेलन का उद्देश्य था पूर्व कर्मियों के अनुभवों का आदान-प्रदान, संवाद और भावनात्मक पुनःसंपर्क था। भरोसा सेल के माध्यम से उन्हें 'सीनियर सिटिज़न कार्ड' वितरित किये गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ. भूषणकुमार उपाध्याय थे। उन्होंने कहा, 34 वर्षों की सेवा में ऐसा स्नेहसंमेलन पहली बार देखा है। यह एक अनुकरणीय पहल है, जिसे पूरे राज्य में लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य, आचरण और आत्म-संयम से जुड़ी कई जीवनोपयोगी बातें साझा कीं। विशेष अतिथि डॉ. निकुंज पवार ने स्वास्थ्य संबधि जानकारी और सुंदर गायन से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। पुलिस आयुक्त डॉ. रवींद्र सिंगल ने कहा, "हम सब एक हैं – यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि हमारी कार्यसंस्कृति का आधार है। उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस से प्रेरणा लेकर यह उपक्रम आरंभ किया गया और इसे नियमित रूप से जारी रखने की योजना है। आगामी योजनाओं में सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए मासिक पत्रिका, रोजगार मेलावा, कला व क्रिएटिव उपक्रम और समाधान हेल्पलाइन जैसी सेवाओं की घोषणा की गई। अंत में, उन्होंने भावुक होते हुए कहा, 'समाज को आज भी आपके अनुभवों की ज़रूरत है। हम सब एक हैं और हमेशा रहेंगे।'

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से महिला की मौत, मामला दर्ज

नागपुर.

हिंगणा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की जान चली गई। यह हादसा 14 मई 2025 को सुबह लगभग 10 बजे के आसपास हुआ, जब पीड़िता अपनी स्कूटी से वर्धा रोड, डोंगरगांव स्थित तेजस्विनी झुंका भाकर केंद्र के सामने से गुजर रही थीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान 33 वर्षीय सुभांगी सुनील यादव के रूप में हुई है, जो मूलतः पलकी, तहसील शाहपूर, जिला डिंडोरी, मध्यप्रदेश की निवासी थीं। वह वर्तमान में गणेशपुर टेकड़ी बस्ती, बुटीबोरी में रह रही थीं। वह अपनी होंडा एक्टिवा (क्रमांक एम एच 40 बीवाय 8875) से जा रही थीं, तभी एक तेज़ रफ्तार ट्रक (क्रमांक एम एच 20 ईएल 1216) के चालक ने लापरवाही और खतरनाक तरीके से वाहन चलाते हुए उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल सुभांगी को तुरंत एम्स हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पहले मामले को आकस्मिक मृत्यु के रूप में दर्ज किया गया था, लेकिन जांच के दौरान लापरवाही से गाड़ी चलाने की बात सामने आने पर मृतका के पति, सुनील फुलसिंग यादव (35) की शिकायत के आधार पर हिंगणा पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 106(1) तथा मोटर वाहन अधिनियम की धाराएं 134, 177 और 184 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है ।

गोरेवाड़ा तालाब में डूबे दो युवक

देर रात तक चलता रहा खोज अभियान

नागपुर.

शनिवार को नागपुर के गोरेवाड़ा तालाब में दो युवकों की डूबने से मौत हो गई, जिससे पूरे परिसर में हड़कंप मच गया। मृतकों की पहचान मानवतानगर, टीवी टॉवर निवासी सतीश रामराज देशभ्रतार (18) और अनिकेत धनराज बड़गे (18) के रूप में हुई है।

दोनों आपस में रिश्तेदार थे। सतीश एक अस्पताल में हाउस कीपिंग का कार्य करता था, जबकि अनिकेत पेंटिंग का काम करता था। जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर को सतीश और अनिकेत अपने तीन अन्य मित्रों—साहिल कैलाश चौरे, यश आदेश उके और कुणाल सुधाकर उके—के साथ गोरेवाड़ा तालाब घूमने गए थे। शाम करीब साढ़े चार बजे सभी तालाब के डैम क्षेत्र में मौज-मस्ती कर रहे थे। इस दौरान कुछ ने शराब भी पी रखी थी। बाकी तीन युवक सोशल मीडिया के लिए फोटो और वीडियो बना रहे थे। इसी बीच सतीश ने कपड़े उतारकर पानी में उतरने का फैसला किया। शुरू में पानी कमर तक था, लेकिन जैसे ही वह थोड़ा आगे बढ़ा, गहराई में चला गया और डूबने लगा। अनिकेत उसे बचाने के लिए पीछे गया, लेकिन वह भी गहरे पानी में समा गया। दोनों को पानी में झटपटाते देख दोस्तों ने शोर मचाया और तुरंत पुलिस व दमकल विभाग को सूचना दी गई। मौके पर गिट्टीखदान पुलिस और दमकल विभाग की टीम पहुंची। गोताखोरों की मदद से तलाशी अभियान शुरू किया गया। टीम ने देर रात तक गल डालकर शवों की तलाश की, लेकिन अंधेरा होने के कारण सफलता नहीं मिल सकी।

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। देर रात तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद भी जब शव नहीं मिले, तो अभियान को रोक दिया गया। परिजन मौके पर ही डटे रहे और खोज जारी रखने की मांग करते रहे। रविवार की सुबह फिर से पुलिस और दमकल विभाग मिलकर खोज अभियान शुरू करेगा। इस दुखद घटना ने क्षेत्र में शोक और तनाव का माहौल बना दिया है।

ऑटो चालकों में खूनी झड़प

> एक गंभीर घायल

नागपुर.

लकडगंज पुलिस थाना क्षेत्र के कोटा कॉलोनी रोड स्थित चिंतेश्वर मंदिर के पास स्थित ऑटो स्टैंड पर मामूली बात को लेकर दो ऑटो चालकों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद इतना बढ़ गया कि एक ऑटो चालक ने दूसरे को पीट दिया, जिसके बाद मार खा रहे चालक ने अपने पास मौजूद चाकू निकालकर हमला कर दिया, जिससे दूसरा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और हमलावर मौके से फरार हो गया। घायल ऑटो चालक की पहचान निलेश नगराले के रूप में हुई है। घटना के बाद, घायल अवस्था में निलेश नगराले खुद अपने ऑटो से लकडगंज पुलिस थाने पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए निलेश को ऑटो में अस्पताल पहुंचाया और उसे भर्ती कराया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी ऑटो चालक की तलाश शुरू कर दी। जांच के बाद, पुलिस ने आरोपी ऑटो चालक अशोक सूर्यभान मेंढे (51), निवासी बोरगांव, गोरेवाड़ा रोड, को ढूंढकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों चालकों के बीच किसी छोटी सी बात को लेकर बहस शुरू हुई थी, जो धीरे-धीरे बढ़ गई। विवाद के दौरान हाथापाई हुई, जिसके बाद अशोक मेंढे ने निलेश नगराले पर चाकू से हमला कर दिया। निलेश के शरीर पर गंभीर घाव हुए हैं और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। लकडगंज पुलिस ने अशोक सूर्यभान मेंढे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

चोर ने नकदी और जेवरात सहित 1.44 लाख का माल उड़ाया

नागपुर.

शहर के यशोधरानगर थाना क्षेत्र में एक घर को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोर ने नकदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। जानकारी के अनुसार यह घटना 13 जून 2025 की रात से लेकर 14 जून की सुबह के बीच की है, जब पीड़ित परिवार घर में मौजूद होने के बावजूद पहली मंजिल पर सो रहा था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, फिर्यादी छगन केवलराम उके (50) एनआयटी क्वार्टर, आनंद नगर, बी/27/207 निवासी ने अपने घर के मुख्य दरवाजे को ताला लगाकर ऊपर की मंजिल पर सोने के लिए चले गए थे। इसी दौरान अज्ञात आरोपी ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में घुसपैठ की और लोहे की अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखे 10,000 नकद और लगभग 1,44,750 मूल्य के सोने-चांदी के गहने चुरा लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस उपनिरीक्षक नागे ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल की फॉरेंसिक जांच कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए हैं। स्थानीय नागरिकों में चोरी की इस वारदात को लेकर चिंता का माहौल है, और लोगों ने पुलिस से गश्त बढ़ाने की मांग की है।

शहर में 51 स्ट्रीट पार्किंग स्थल चिन्हित, ट्रैफिक की भीड़ होगी कम

नागपुर.

शहर में यातायात की भीड़ को कम करने और नागरिकों में अनुशासित पार्किंग की आदत डालने के लिए नागपुर महानगरपालिका ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शहर की प्रमुख सड़कों पर ' स्ट्रीट पार्किंग ' के लिए 51 स्थानों की पहचान की गई है और पार्किंग स्थलों को उजागर करने के लिए उन पर छोटी सफेद पट्टियां खींची गई हैं। महानगरपालिका द्वारा कार्यान्वित की जा रही इस पहल को वाहन चालकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। नागपुर महानगरपालिका आयुक्त एवं प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी ने महानगरपालिका के मार्गदर्शन में शहर में पार्किंग की समस्या को हल करने के लिए काम कर रहे हैं। इससे पहले महानगरपालिका आयुक्त एवं प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी ने पुलिस उपायुक्त यातायात के साथ शहर में विभिन्न स्थानों का दौरा किया था और पार्किंग की स्थिति का निरीक्षण किया था। उन्होंने पार्किंग के लिए सड़कों पर छोटी सफेद पट्टियां खींचने के भी निर्देश दिये थे। इसी के तहत शहर की 75 प्रमुख सड़कों पर ' स्ट्रीट पार्किंग ' के लिए सर्वेक्षण किया गया था । इनमें से 51 स्थानों पर पार्किंग सुनिश्चित की गई है। इससे करीब 13,500 दोपहिया और 4,000 चार पहिया वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा मिलेगी। गौरतलब है कि प्रमुख सड़कों के लिए विकर्ण रेखाएं (कोणीय) और छोटी सड़कों के लिए समानांतर पार्किंग (पार्लर) खींची गई हैं। इसमें दोपहिया वाहनों के लिए 1 गुणा 2.5 मीटर और चार पहिया वाहनों के लिए 5 गुणा 2.5 मीटर की दूरी रखी गई है।

इस पहल से सड़कों पर बेतरतीन ढंग से पार्क किये गए वाहनों के कारण होने वाली यातायात की भीड़ कम होने की संभावना है। इसके अलावा, यह उम्मीद की जाती है कि नागरिकों को केवल निर्धारित स्थानों पर ही वाहन पार्क करने की आदत होगी, और सड़क पर खुली जगह होने से पैदल चलने वालों को चलने के लिए अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक रास्ता मिलेगा। हालांकि, मनपा ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन निर्धारित पार्किंग स्थलों का उचित उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन करके शहर के विकास में सहयोग करें। यह जानकारी कार्यकारी अभियंता रविंद्र बंधड़े ने दी। नगर निगम ने शहर के विभिन्न भागों में महत्वपूर्ण मार्गों पर पार्किंग स्थल निर्धारित किये हैं, जो इस प्रकार हैं

माटे चौक से प्रताप नगर चौक , भाजीमंडी चौक से ऑरेंज सिटी हॉस्पिटल चौक, प्रताप नगर चौक से मंगलमूर्ति चौक, बजाज नगर चौक से दीनदयाल उपाध्याय चौक से आठ रास्ता चौक, आठ रास्ता चौक से ऑरेंज सिटी हॉस्पिटल चौक, छत्रपति चौक से ऑरेंज सिटी हॉस्पिटल, ऑरेंज सिटी हॉस्पिटल से प्रताप नगर चौक, ऑरेंज सिटी हॉस्पिटल से आरपीटीएस चौक, मंगलमूर्ति चौक से लंदन स्ट्रीट चौक, नगर निगम धंतोली जोन कार्यालय से कांग्रेस नगर टी-प्वाइंट, लोकमत चौक से कृषि चिल्ड्रेन हॉस्टल, कृषि। चिल्ड्रन हॉस्टल से अलंकार चौक, रवि नगर चौक से रामनगर रोटरी, मेट्रो रेल हाउस से वीसीए ग्राउंड चौक, लक्ष्मी भवन चौक से रामनगर रोटरी, लेडीज क्लब चौक से आकाशवाणी चौक, डॉ. पंजाबराव देशमुख चौक से वीसीए स्टेडियम चौक, लक्ष्मी भवन से शंकर नगर चौक, नगर निगम के सामने वाली सड़क (बाटा शॉप से क्रॉसवर्ड शॉप), जनरल अवारी चौक से रेशिमबाग चौक, मेडिकल स्क्वायर से क्रीड़ा चौक, भांडे प्लॉट चौक से तुकडोजी चौक, मेडिकल चौक से माता मंदिर, मानेवाड़ा चौक से तुकडोजी चौक, तुकडोजी चौक से राजकमल चौक, एसडी हॉस्पिटल चौक से गुरुदेव नगर चौक होते हुए संगम टॉकीज , तिरंगा चौक, कामगार नगर चौक से आज्ञाराम देवी चौक, आज्ञाराम देवी चौक से कापू बाजार, मेडिकल चौराहा से पश्चिम (सड़क का अंत), कामगार नगर चौक से मेडिकल चौक, मेडिकल चौक से अशोक चौक, मेडिकल चौक से मेडिकल कॉलेज प्रवेश द्वार, चंद्रमणि चौक से रामेश्वरी चौक से शताब्दी चौक, वैद्यनाथ चौक से अशोक नगर चौक, तिरंगा चौक से सक्करधारा रोड, जगनाडे चौक से टी-प्वाइंट (मिडिल रिंग रोड), भांडे प्लॉट चौक से जगनाडे चौक, जगनाडे चौक से इतवारी टेलीफोन एक्सचेंज चौक, चिटनिस पार्क चौक से रेलवे स्टेशन टी-प्वाइंट, रानी दुर्गावती चौक से मारवाड़ी चौक, टेलीफोन एक्सचेंज से छापरू नगर चौक, छापरू नगर से आंबेडकर चौक, अंबेडकर से वैष्णो देवी चौक, वैष्णो देवी से प्रजापति चौक, वर्धमान चौक से शिवाजी चौक, वर्धमान चौक से रेलवे क्रॉसिंग, शिवाजी चौक तक भीम चौक, वैष्णो देवी चौक से शास्त्री नगर चौक, कमल चौक से वैशाली नगर, छावनी की सीटें टी-प्वाइंट से ताज औलिया बाबा चौक तक, छावनी टी-प्वाइंट से कटोल रोड उप डाकघर जंक्शन, जरीपटका पुलिस स्टेशन से भीम चौक तक चित्रित की गई हैं।

संपत्ति कर शिविर के प्रति स्वतःस्फूर्त प्रतिसाद

नागपुर.

शनिवार 14 जून 2025 को आशीनगर जोन क्रमांक 9 और धंतोली जोन क्रमांक 4 के संपत्ति कर विभाग ने क्रमशः धम्मदीप नगर और धंतोली उद्यान में शिविर आयोजित कर 78 संपत्ति मालिकों से 1.20 लाख रुपए और 30 संपत्ति मालिकों से 0.54 लाख रुपए ऑनलाइन सुविधा के माध्यम से एमएनपी निधि में जमा कराए। पिछले वित्तीय वर्ष में 13 जून तक 38.35 करोड़ रुपए संपत्ति कर राशि एमएनपी निधि में जमा कराई गई थी और चालू वित्तीय वर्ष में 13 जून तक 123402 संपत्ति मालिकों द्वारा 48.36 करोड़ रुपए संपत्ति कर राशि जमा कराई गई। एमएनपी फंड में 22 करोड़ रुपये जमा किये गए हैं। यह पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 10 करोड़ रुपये की वृद्धि है और प्रतिशत में 26% की वृद्धि है। 48.36 करोड़ रुपये की राशि में से, 55476 संपत्ति मालिकों ने ऑनलाइन सुविधा का उपयोग करके अपने घरों / कार्यस्थलों से एमएनपी फंड में 26 करोड़ रुपये जमा किए हैं और संपत्ति कर राशि में 15% की छूट प्राप्त की है और 2.93 करोड़ रुपये की राशि का लाभ उठाया है, जबकि 67023 संपत्ति मालिकों ने संपत्ति कर संग्रह केंद्र में जाकर एमएनपी फंड में 22 करोड़ रुपये जमा किए हैं। ऑनलाइन सुविधा के तहत 50% से अधिक संपत्ति कर राशि प्राप्त हुई है। आयुक्त मनपा के मार्गदर्शन और अतिरिक्त आयुक्त (सेवाएं) के नेतृत्व में, संपत्ति कर विभाग मुख्यालय और क्षेत्रीय स्तर की प्रणाली ने संपत्ति मालिकों के दरवाजे तक पहुंचने और सप्ताह में सातों दिन कार्यरत रहकर संपत्ति कर राजस्व के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए क्षेत्रों तक पहुंचने का संकल्प लिया है। नागरिकों से आग्रह है कि वे निर्धारित अवधि के भीतर संपत्ति कर जमा करें और अचल संपत्ति की जब्ती व कुर्की से बचें।

नागपुर ग्रामीण में शिक्षक भर्ती घोटाले में बड़ी कार्रवाई

भाजपा नेता दिलीप धोटे गिरफ्तार

सावनेर/ नागपुर.

महाराष्ट्र में शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। नागपुर जिले के कलमेश्वर तालुका के मोहपा स्थित विठ्ठल रुक्मिणी शिक्षण संस्था के अध्यक्ष और भाजपा नेता दिलीप धोटे को एसआईटी (विशेष जांच दल) ने गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई को इस घोटाले में अब तक की सबसे अहम और पहली गिरफ्तारी माना जा रहा है।

दिलीप धोटे भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के करीबी माने जाते हैं। वे कलमेश्वर तालुका के पूर्व भाजपा अध्यक्ष और धापेवाड़ा टेक्सटाइल कंपनी के संचालक भी हैं। वर्ष 1992 से वे भाजपा से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। सोशल मीडिया और स्थानीय पोस्टरों पर उनके बड़े नेताओं के साथ फोटो अक्सर देखे जा सकते हैं।

फर्जी शालार्थ आईडी से करोड़ों का घोटाला

जांच में सामने आया है कि शिक्षकों की फर्जी शालार्थ आईडी बनाकर करोड़ों रुपये का घोटाला किया गया। कई शिक्षकों से नियुक्ति के नाम पर 15 से 30 लाख रुपये तक की वसूली की गई, लेकिन उन्हें नियुक्त नहीं किया गया। मोहपा की विठ्ठल रुक्मिणी संस्था से जुड़े 7-8 शिक्षकों का तबादला नागपुर के राजाबक्शा महल स्थित नवयुवक प्राथमिक शाला में किया गया, लेकिन उनकी आईडी फर्जी तरीके से बनाई गई थी।

एसीपी का बयान : एसीपी सुनीता मेश्राम ने एक टीवी चैनल को दिए बयान में कहा कि बिना सरकारी मंजूरी के शिक्षकों की नियुक्ति और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वेतन लेने जैसी गंभीर अनियमितताओं के चलते संचालकों को आरोपी बनाते हुए कानूनी कार्रवाई की गई है।

सैलरी का हिस्सा भी जाता था धोटे को

एसआईटी की पूछताछ में सामने आया कि इन शिक्षकों की आईडी वर्ष 2022-23 में बनाई गई थी। नवयुवक प्राथमिक शाला के संचालक अजय मधुकर काले ने बताया कि शिक्षकों के वेतन का कुछ हिस्सा सीधे दिलीप धोटे को भी दिया जाता था। इस जानकारी के आधार पर एसीपी सुनीता मेश्राम के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

शिक्षण संस्था संचालकों में दहशत का माहौल

इस कार्रवाई के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित निजी शिक्षण संस्थाओं के बीच भय का वातावरण बन गया है। यह मामला अब राजनीतिक रंग भी ले रहा है, क्योंकि दिलीप धोटे को भाजपा के बड़े नेताओं का करीबी माना जाता है। सावनेर-कलमेश्वर विधानसभा क्षेत्र में इस कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। टाइगर रिसॉर्ट में चल रही संदिग्ध गतिविधियों से लेकर फर्जी आईडी मामले तक, प्रशासन की सख्ती से यह संकेत मिल रहा है कि अब किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

शिक्षा जैसे पवित्र क्षेत्र को घोटालों से कलंकित करने वाले प्रभावशाली लोगों पर अब कानून की सख्त पकड़ दिखाई दे रही है। यह कार्रवाई आने वाले समय में शिक्षा क्षेत्र को पारदर्शी और न्यायसंगत बनाने की दिशा में एक अहम कदम साबित हो सकती है।

पुरानी रंजिश में युवक की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

> आरोपी ने खुद किया आत्मसमर्पण

सावनेर.

नागपुर जिले की सावनेर तहसील के खापा शहर में रविवार 15 जून को एक पुरानी रंजिश के चलते दिनदहाड़े एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान चेतन अशोक गागाटे (28), निवासी हनुमान घाट, खापा के रूप में हुई है, जबकि आरोपी अर्जुन शेषराव नीले (28), निवासी खापा ने घटना को अंजाम देने के बाद स्वयं खापा पुलिस थाने में आत्मसमर्पण कर दिया।

घटना सुबह करीब 11 बजे खापा के बाजार चौक में उस समय घटी, जब चेतन डॉक्टर बंसी तुमाने के क्लिनिक वाली गली से गुजर रहा था। तभी अर्जुन नीले पिस्तौल (माउज़र) लेकर वहां पहुंचा और चेतन को देखकर उस पर ताबड़तोड़ तीन गोलियां चला दीं।

गंभीर रूप से घायल चेतन को तत्काल परिजन नागपुर के मैक्स अस्पताल ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही खापा थाना प्रभारी विशाल गिरी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का पंचनामा कर पिस्तौल और तीन खाली कारतूस के खोखे जब्त किए हैं।

बताया जा रहा है कि चेतन और अर्जुन के बीच कई वर्षों से आपसी दुश्मनी चली आ रही थी। पूर्व में मंडई मेले के दौरान चेतन ने अर्जुन पर जानलेवा हमला किया था, जिसमें अर्जुन गंभीर रूप से घायल हुआ था। उस घटना में चेतन पर आपराधिक मामला दर्ज किया गया था।

इस हत्याकांड के बाद खापा सहित आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। नागपुर ग्रामीण के अपर पुलिस अधीक्षक रमेश धूमाल और उपविभागीय पुलिस अधिकारी (सावनेर) अनिल म्हस्के ने घटनास्थल का मुआयना कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब इस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

पितृ दिवस पर बेटे की मौत से मचा कोहराम

पूर्व सरपंच किशोर रेवतकर के बेटे यश का निधन

कोंढाली/दुधाला.

पितृ दिवस जैसे भावनात्मक दिन पर एक पिता के जीवन का सबसे बड़ा दुख सामने आया, जब दुधाला के पूर्व सरपंच किशोर रेवतकर को अपने छोटे बेटे यश रेवतकर (25) का अंतिम संस्कार करना पड़ा।

यश शनिवार, 14 जून को अपनी माता और गांव के दोस्तों के साथ धार्मिक स्थलों की यात्रा के लिए निकले थे। वे शाम 4 बजे ट्रेन से मध्यप्रदेश तथा अन्य पवित्र स्थलों के दर्शन के लिए रवाना हुए थे। यात्रा के दौरान रविवार की तड़के करीब 3 से 4 बजे के बीच यश को अचानक सीने में तेज दर्द हुआ और वे ट्रेन के शौचालय में बेहोश होकर गिर पड़े।

परिजनों और मित्रों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें तुरंत भोपाल के एक प्रतिष्ठित अस्पताल पहुँचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि यश की मृत्यु हृदयाघात के कारण हुई।

रेलवे पुलिस ने इस आकस्मिक घटना की रिपोर्ट दर्ज की और शव का पोस्टमार्टम करवा कर यश के मित्रों को सौंप दिया गया। शव वाहन के माध्यम से यश का पार्थिव शरीर भोपाल से उनके पैतृक गाँव दुधाला लाया गया, जहाँ पितृ दिवस (15 जून) के दिन उनका अंतिम संस्कार किया गया।

यश रेवतकर कोंढाली-दुधाला क्षेत्र में एक कर्तव्यनिष्ठ और लोकप्रिय सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाते थे। उनकी असामयिक मृत्यु से पूरे गांव और क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। पूर्व सरपंच किशोर रेवतकर के लिए यह क्षति अपूरणीय है, और पितृ दिवस पर बेटे को खो देना किसी भी पिता के लिए असहनीय पीड़ा है।

पूर्व मंत्री कुंभारे के प्रयासों से अंतिम चरण में ओवरब्रिज निर्माण कार्य

रेलवे ब्लॉक देने के लिए रेलवे प्रशासन का जताया आभार

कामठी.

पूर्व राज्यमंत्री, ओगावा सोसायटी अध्यक्षा व बहुजन रिपब्लिकन एकता मंच की संस्थापक अध्यक्ष एड. सुलेखा कुंभारे के प्रयासों से रमानगर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य अब अपने अंतिम चरण में है। ज्ञात हो कि रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण में तेजी लाने के लिए एड. सुलेखा कुंभारे द्वारा समय समय पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, पालक मंत्री चंद्रशेखरl बावनकुले सहित रेलवे विभाग की ओर से शशांक कुलश्रेष्ठ, लोक निर्माण विभाग से जनबंधु और स्थानीय ठेकेदार विजयवर्गीय एवं अन्य संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों तथा रेलवे के वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञों के साथ बैठक की गई थी। शिलान्यास के बाद यह स्पष्ट है कि रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण में कुछ कारणों से पुल निर्माण स्थल तक मशीन पहुंचने का रास्ता ने होने के कारण इसमें देरी हुई। नागपुर जिले के

नवीन कामठी से ड्रैगन पैलेस टेंपल और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों को जोड़ने वाला यह महत्वपूर्ण ओवरब्रिज है।

रमानगर रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज का काम पिछले 5 साल से अटका हुआ था। इसके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ओवरब्रिज का काम ठीक से हो और यह रास्ता जनता के लिए जल्द से जल्द खुले, इसके लिए पूर्व राज्य मंत्री एड. सुलेखा कुंभारे पिछले कुछ वर्षों से लगातार प्रयास कर रही थीं। उन्होंने विभिन्न तकनीकी कठिनाइयों को समझते हुए रमानगर में रेलवे विभाग की मंजूरी लेकर 4-5 घंटे का मेगाब्लॉक लेने का निर्देश रेलवे विभाग के अधिकारियों को दिया। इस पर शनिवार, 14 जून को रात में 4-5 घंटे का मेगाब्लॉक मिलने के बाद, रमानगर रेलवे फ्लाईओवर पर गर्डर ब्रिज स्थापित करने का काम देर रात तक जारी रहा। इस दौरान एड. सुलेखा कुंभारे द्वारा नवीन पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक महेश आंधले की ओर से काम पूरा होने तक पुलिस बंदोबस्त की व्यवस्था करवाई थी। एड. सुलेखा कुंभारे ने रेलवे प्रशासन का आभार व्यक्त किया क्योंकि उन्होंने रेलवे ब्लॉक प्रदान किया। हालांकि, वर्तमान में रमानगर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य अंतिम चरण पर है, जिसके पीछे पूर्व राज्यमंत्री एड. सुलेखा कुंभारे के प्रयास रहे हैं।

यातायात की भीड़ होगी कम

धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस के अवसर पर, नागपुर के दीक्षा भूमि से लाखों बौद्ध धर्मावलंबी कामठी के विश्व प्रसिद्ध ड्रैगन पैलेस टेंपल का दौरा करते हैं। दशहरा पर्व के पहले पूरा होने की उम्मीद जताई जा रही है। यह एक महत्वपूर्ण विकास है जो क्षेत्र के लोगों के लिए यातायात और कनेक्टिविटी में सुधार करेगा। इस परियोजना के पूरा होने से, क्षेत्र में यातायात की भीड़ कम होगी और लोगों को सुरक्षित और कुशल आवागमन की सुविधा मिलेगी और इस ओवरब्रिज के निर्माण से क्षेत्र में विकास को भी गति मिलेगी।

उमस और गर्मी से नागपुरवासी परेशान, बुआई के इंतजार में बैठे किसानों में बढ़ी चिंता

विदर्भ में झमाझम बारिश की संभावना

नागपुर.

नागपुर और विदर्भ के नागरिक इन दिनों भीषण गर्मी और उमस से बेहाल हैं। पिछले कुछ दिनों में तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जो इस मौसम में असामान्य और कष्टदायक माना जा रहा है। इसके साथ ही आद्रता का स्तर भी काफी बढ़ा हुआ है, जिससे लोगों को पसीने और थकान का सामना करना पड़ रहा है

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, बीते सप्ताह नागपुर पूरे महाराष्ट्र का सबसे गर्म शहर रहा। यहां अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री तक दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग 4 डिग्री अधिक था। शहरवासियों को सुबह से ही तेज धूप, तपिश और गर्म हवाओं ने परेशान कर रखा है। 15 जून के बाद राहत की उम्मीद मौसम विभाग ने राहत भरी खबर दी है। 15 जून के बाद विदर्भ क्षेत्र में मानसून सक्रिय होने की संभावना है।

16 जून से हल्की बारिश और गरज के साथ छींटें पड़ने की शुरुआत हो सकती है। 17 से 20 जून तक नागपुर और आसपास के जिलों में मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई गई है। 18 और 19 जून को कुछ क्षेत्रों में तेज बौछारें पड़ने की चेतावनी भी दी गई है। मानसून की धीमी लेकिन स्थिर वापसी आईएमडी ने बताया कि इस बार मॉनसून "पॉज़" की स्थिति में था, यानी कुछ समय के लिए उसकी प्रगति रुक गई थी। लेकिन अब अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी भरी हवाएं लौट रही हैं, जिससे अगले कुछ दिनों में विदर्भ में बादल छाने और बारिश की संभावना बढ़ गई है। जनजीवन प्रभावित, स्वास्थ्य पर असर भीषण गर्मी और उमस के चलते शहर के अस्पतालों में डिहाइड्रेशन, चक्कर और थकावट से संबंधित मरीजों की संख्या में इज़ाफा हुआ है। डॉक्टरों ने नागरिकों को दिन में बाहर निकलने से बचने, पानी और तरल पदार्थ भरपूर मात्रा में पीने की सलाह दी है।

बारिश नहीं होने से बढ़ी किसानों की मुश्किलें यह समय खरीफ सीजन का है। नागपुर सहित विदर्भ के किसानों ने बुवाई की पुरी तैयारी कर ली है। राज्य में 12 दिन पहले मानसून आने की जानकारी के बाद किसानों ने बुवाई की शुरुआत कर दी थी। हालांकि, कुछ दिनों की बारिश के बाद फिर धूप खिल गई। बारिश नहीं होने से किसानों को बड़ी मुश्किल का सामना करना पड रहा है। कपास और सोयाबीन की फसल के लिए पानी की जरूरत होती है, लेकिन आधा मृग नक्षत्र बीत जानें के बावजूद बारिश नहीं हुई है जिससे किसानों के माथों पर चिंता की लकीरें आ गई हैं।

शिरपुर- महालगांव-टेमसना क्षेत्र में बिजली से परेशान लोगों ने दी आंदोलन की चेतावनी

कामठी.

शिरपुर, धारगांव, महालगांव, लिहीगांव, आडका, टेमसना, कापसी और जिंसी क्षेत्रों में कापसी फीडर से होने वाली बिजली आपूर्ति प्रतिदिन आठ से दस घंटे तक बाधित रहने से नागरिक और किसान परेशान हैं। बिजली की समस्या का तुरंत समाधान करने की मांग को लेकर सचिन वानखेड़े के नेतृत्व में पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को ज्ञापन देकर बिजली की समस्या को जल्द से जल्द हल करने की मांग की गई है। पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि मा उमिया फीडर कापसी से महालगांव, शिरपुर, लिहीगांव, आडका, टेमसना, धारगांव, कापसी और जिंसी गांवों में बिजली वितरण कंपनी द्वारा कई वर्षों से बिजली आपूर्ति की जा रही है। सभी गांवों में बिजली वितरण को सफलतापूर्वक चलाने के लिए केवल एक लाइनमैन नियुक्त किया गया है। जिससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि एक व्यक्ति कहां-कहां दौड़ेगा। साथ ही, बिजली वितरण कंपनी के मौदा के मुख्य अभियंता दामोदर उरकड़े के मनमाने ढंग से काम करने के कारण, कापसी फीडर से होने वाली बिजली आपूर्ति रखरखाव के नाम पर प्रतिदिन आठ से दस घंटे तक बाधित रहती है। इस भीषण गर्मी में बुजुर्ग, स्कूली छात्र, गर्भवती महिलाएं परेशान हो गए हैं और रात भर अंधेरे में घर के बाहर बैठना पड़ता है। इसके साथ ही शिरपुर, धारगांव, महालगांव, टेमसना और आडका गांव के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में किसान फूलों की खेती करते हैं।

गर्मी के मौसम में फूलों की खेती का मौसम होने के बावजूद प्रतिदिन आठ से दस घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रहने से फूलों की फसलों को भी भारी नुकसान हुआ है। बिजली की समस्या के बारे में आठों गांवों के नागरिकों ने मौदा स्थित बिजली वितरण कंपनी के अभियंता दामोदर उरकड़े को लिखित ज्ञापन देकर समस्या का तत्काल समाधान करने की मांग की, लेकिन उन्होंने समस्या को नजरअंदाज कर दिया और गांव में आकर भी नहीं देखा, न ही समस्या को समझा। क्षेत्र के नागरिक परेशान हो गए हैं और नागरिकों ने पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को ज्ञापन देकर शिरपुर, महालगांव, लिहीगांव, आडका, टेमसना, धारगांव, कापसी और जिंसी क्षेत्रों में बिजली की समस्या का तुरंत समाधान करने की मांग की है। अगर आठ दिनों के भीतर बिजली की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीणों की ओर से नागपुर-भंडारा मार्ग पर कापसी गांव में रास्ता रोको आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है। पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को ज्ञापन देते समय सचिन वानखेड़े, विलास ढेगरे, सुरेश उरकड़कार, कवदु वानखेड़े, पंकज डेंगरे, हिमांशु ढेगरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और किसान उपस्थित थे।

ज्योतिबा विद्यालय के शिक्षक विदर्भ गौरव पुरस्कार से सम्मानित

नागपुर.

लोकमान्य जनकल्याण शिक्षण संस्था द्वारा संचालित ज्योतिबा विद्यालय नंदनवन के शिक्षक राहुल गौर समाजसेवा के लिए व दीपाली पेशने, भारती शंभरकर, कादंबरी राऊत उत्कृष्ट गायक व शिक्षिका क्षेत्र के लिए वीर शिव छत्रपती संघटना एस. आर. एन. फिल्म्स प्रोडकशन व न्यूज इंडिया 24 द्वारा विदर्भ गौरव पुरस्कार से सम्मानित किए गए। यह पुरस्कार समारोह सुरेश भट सभागृह रेशीमबाग नागपुर में आयोजित शनिवार 14 जून को संपन्न हुआ।

नागपुर पुलिस का 'मिशन मुक्ति' अभियान 115 निराधारों का किया सफल पुनर्वास

नागपुर.

शहर पुलिस द्वारा भिक्षावृत्ति और मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्तियों के उन्मूलन हेतु मार्च 2025 से आरंभ किये गए 'मिशन मुक्ति' अभियान के तहत अब तक कुल 115 व्यक्तियों का सफल पुनर्वास किया गया है। इस अभियान की संकल्पना नागपुर के पुलिस आयुक्त डॉ. रविंद्रकुमार सिंगल के नेतृत्व में की गई, जिसमें सामाजिक कार्यकर्ता सुरभी शिरपूरकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अभियान की शुरुआत राजाबाक्षा हनुमान मंदिर क्षेत्र से की गई, जहां पहले चरण में 23 व्यक्तियों को चिन्हित कर उनकी प्राथमिक स्वास्थ्य जांच, वर्गीकरण और पुनर्वास की प्रक्रिया अपनाई गई। इसके पश्चात फेज-2 में महाराजबाग गार्डन से 30 और गणेशपेठ क्षेत्र से 23 व्यक्तियों का पुनर्वास किया गया, जिसमें बच्चों, महिलाओं और पुरुषों को चिकित्सा सहायता तथा आश्रय उपलब्ध कराया गया। इस अभियान में नागपुर पुलिस, महानगरपालिका, मानसिक आरोग्य संस्थान, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, और स्वयंसेवी संगठनों ने मिलकर अनुकरणीय समन्वय के साथ कार्य किया। विशेष कोडिंग प्रणाली

और पहचान रिकॉर्ड की सहायता से पुनर्वास प्रक्रिया को सुरक्षित और प्रभावी बनाया गया। शनिवार दोपहर 1 बजे पुलिस भवन स्थित ऑडिटोरियम हॉल में इस अभियान में सहभागिता निभाने वाले अधिकारियों, कार्यकर्ताओं और संस्थाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस आयुक्त डॉ. रविंद्रकुमार सिंगल ने की, जबकि सह पुलिस आयुक्त डॉ. नवीनचंद्र रेड्डी, वसंत परदेशी, शिवाजी राठौड़, तथा राजेंद्र दाभाडे विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

डॉ. सिंगल ने अपने संबोधन में कहा कि 'यदि पुलिस और समाजसेवक मिलकर प्रयास करें, तो नागपुर को इंदौर की तरह भिक्षावृत्ति मुक्त बनाया जा सकता है।

यह अभियान मानवीय संवेदनशीलता का सर्वोत्तम उदाहरण है।' कार्यक्रम में पुलिस निरीक्षक मच्छिंद्र पंडित, जिन्होंने गणेशपेठ क्षेत्र में स्वप्रेरणा से 23 व्यक्तियों का पुनर्वास किया, सहित अन्य अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और संस्थाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का प्रास्ताविक एवं आभार प्रदर्शन सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल दोंड ने किया। समारोह में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, और आमंत्रित अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कोंढाली के रामकुंज में मनाया गया हिंदू साम्राज्य दिवस सप्ताह

कोंढाली.

रामकुंज मैदान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से हिंदू साम्राज्य दिवस सप्ताह का आयोजन 6 जून से 14 जून तक बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर कोंढाली शाखा के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

हिंदू साम्राज्य दिवस का आयोजन छत्रपति शिवाजी महाराज की गौरवशाली परंपरा, हिंदुत्व, हिंदू संस्कृति एवं सनातन धर्म के संदेश को जनमानस तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से बाल स्वयंसेवकों व युवाओं के लिए परेड, खेल प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। वरिष्ठ स्वयंसेवक शांताराम कालबांडे, स्वप्निल व्यास, अभिजित चव्हाण और दिनेश ढोबळे ने बालकों और युवाओं को संबोधित करते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज, डॉ. हेडगेवार, गुरूजी गोलवलकर एवं वीर सावरकर के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। वक्ताओं ने सनातन मूल्यों की रक्षा और समाज में

एकता बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। सप्ताह भर चले इस आयोजन में जिन बाल स्वयंसेवकों ने खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस आयोजन ने स्थानीय नागरिकों में देशभक्ति, संस्कृति और संगठन के प्रति जागरूकता का संचार किया।

बंद मकान से चोरी करने वाले तीन विधि संघर्षित चोर गिरफ्तार

हिंगनघाट. शहर में बीते दो महीनों से बंद मकानों के ताले तोड़कर की जा रही चोरी की घटनाओं के सुलझाने में आखिरकार पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से तीन विधि संघर्षित (नाबालिग) चोरों को गिरफ्तार किया है, जो बंद घरों को निशाना बनाकर अलमारियों से नकदी व सोने-चांदी के गहने चुराते थे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, इन तीनों विधी संघर्षित चोरों के खिलाफ हिंगनघाट सहित वर्धा, कोंढाली, कुही, काटोल, यशोधरा, मानकापूर, नागपुर आदि थानों में भी आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इस पूरी कार्रवाई को जिला पुलिस अधीक्षक अनुराग जैन, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. सागर कुमार कवडे तथा उपविभागीय पुलिस अधिकारी रोशन पंडित के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। हिंगनघाट के थाना प्रभारी देवेंद्र ठाकुर के नेतृत्व में पुलिसकर्मी प्रवीण बावणे, सागर सांगोले एवं संतोष गीते की टीम ने इस गुनाह का खुलासा किया। शहरवासियों में चोरी की घटनाओं को लेकर जो डर और चिंता थी, वह इन गिरफ्तारियों के बाद काफी हद तक कम हुई है। पुलिस अब आगे की जांच में जुटी हुई है और आशंका जताई जा रही है कि इन चोरों से और भी कई वारदातों का पर्दाफाश हो सकता है।

जर्जर साइनबोर्ड गिरा, बड़ा हादसा टला

नागपुर-चंद्रपुर रोड पर नागरिकों की सतर्कता से टला संकट

समुद्रपुर.

नागपुर -चंद्रपुर राजमार्ग पर जाम गांव के पास स्थित होटल अशोका के सामने शुक्रवार रात को एक बड़ा साइनबोर्ड अचानक सड़क पर गिर पड़ा। यह साइनबोर्ड राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा कुछ साल पहले लगाया गया था और अब पूरी तरह से जर्जर हो चुका था। गनीमत रही कि घटना के समय सड़क पर कोई वाहन नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। जैसे ही जाम गांव के नागरिकों को घटना की जानकारी मिली, वे तुरंत मौके पर पहुंचे और तत्परता दिखाते हुए लोहे के इस साइनबोर्ड को सड़क के किनारे हटाया, जिससे यातायात सुचारू हो सका। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि जर्जर हो चुके इस साइनबोर्ड को हटाने के लिए जाम ग्राम पंचायत ने लगभग एक वर्ष पूर्व ही टोल बूथ तथा राजमार्ग प्राधिकरण को पत्र लिखकर इसकी मांग की थी। बावजूद इसके किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

आखिरकार, नागरिकों की आशंका सही साबित हुई और साइनबोर्ड सड़क पर आ गिरा। घटना की जानकारी मिलते ही जाम के पूर्व सरपंच सचिन गावंडे, सनी निवटे, रोशन लांबसोंगे, केवल सुटे, गोलू राऊत, गोलू साटोने, रोशन कालोड, पंकज डेकाटे, गजानन मुंगसे, चीनू लडके, आकाश पिसे, विशाल वाटमोडे आदि नागरिक घटनास्थल पर पहुंचे और प्रशासनिक सहायता आने से पहले ही स्थिति को संभाल लिया। थोड़ी ही देर में जाम महामार्ग विभाग एवं समुद्रपुर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और निरीक्षण कर कार्रवाई की। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि इस प्रकार के अन्य जर्जर साइनबोर्डों की जल्द से जल्द जांच कर उन्हें हटाया जाए, ताकि भविष्य में कोई गंभीर दुर्घटना न हे.

वृद्धजनों की देखभाल को मिली नई दिशा

एसएमएचआरसी में पहला एकीकृत डिमेंशिया केयर सेंटर शुरू

वर्धा.

भारत में बढ़ती वृद्ध जनसंख्या और उनकी स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक सराहनीय पहल के तहत शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने क्षेत्र का पहला एकीकृत डिमेंशिया केयर सेंटर शुरू किया है।

यह कदम न केवल एक जरूरतमंद वर्ग के लिए समर्पित है, बल्कि यह भारत सरकार के वृद्धजनों के लिए चलाई जा रही योजनाओं को भी सशक्त बनाता है।

डिमेंशिया आज एक 'साइलेंट महामारी' के रूप में तेजी से बढ़ रहा है, जिससे देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बुजुर्ग तेजी से प्रभावित हो रहे हैं। स्मृति ह्रास, मस्तिष्क की कार्यक्षमता में गिरावट और भावनात्मक अस्थिरता जैसे लक्षणों के साथ जीना न केवल पीड़ित व्यक्ति के लिए बल्कि उसके परिवार के लिए भी अत्यंत चुनौतीपूर्ण होता है। ऐसे में एसएमआरसीएच की यह पहल इन चुनौतियों से निपटने की दिशा में एक मजबूत और मानवीय प्रयास है। यह सेंटर पूरी तरह "पेशेंट-सेंट्रिक" और "मल्टीडिसिप्लिनरी" मॉडल पर आधारित है।

यहां मनोरोग, मनोविज्ञान, सामान्य चिकित्सा, होम्योपैथी, योग चिकित्सा और सामाजिक कार्य जैसी विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों को एकीकृत किया गया है, जिससे बुजुर्गों को सम्मानजनक और सतत उपचार मिल सके। सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि इस सेंटर में कोई भी बेड, डॉक्टर या नर्सिंग शुल्क नहीं लिया जाएगा, जिससे यह सेवा समाज के हर वर्ग के लिए सुलभ और सच्चे अर्थों में समावेशी बनती है।

रचनात्मक नेतृत्व और विशेषज्ञों का सहयोग

❍ इस सेंटर की स्थापना डीएमआईएचईआर (डीयू) के प्रमुख सलाहकार श्री सागर मेघे की व्यक्तिगत पहल और मार्गदर्शन से संभव हुई है। डॉ. प्रदीप पाटिल, डॉ. प्रशांत भारबत, डॉ. अभिजीत फाये, डॉ. मोना राय, डॉ. अपूर्वा जोशी, डॉ. अमिता कामडी और डॉ. सीता वर्मा जैसे अनुभवी विशेषज्ञों की टीम इस प्रयास में अहम भूमिका निभा रही है। एसएम एचआरसी का यह डिमेंशिया केयर सेंटर निम्नलिखित सरकारी योजनाओं के उद्देश्यों को साकार करने में मददगार सिद्ध हो रहा है.

बच्चू कडू के आंदोलन को मिला कांग्रेस का समर्थन

सरकार समिति बनाना बंद करे, किसानों की करे पूर्ण कर्जमाफी-पूर्व मंत्री रंजीत कांबले की चेतावनी

वर्धा.

मुख्य बिंदु: रंजीत कांबले का सरकार पर तीखा हमला, बच्चू कडू के आंदोलन को कांग्रेस का समर्थन, समितियों के बजाय ठोस निर्णय की मांग, किसानों की नाराजगी बढ़ने की चेतावनी.

पूर्व मंत्री व कांग्रेस नेता रंजीत कांबले ने सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा है कि सरकार को अब समिति बनाने की नौटंकी बंद कर किसानों के लिए तुरंत कर्जमाफी की घोषणा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार ने सत्ता में आने से पहले किसानों को पहले कैबिनेट बैठक में कर्जमाफी का वादा किया था, लेकिन अब तक उस पर कोई अमल नहीं हुआ। यह किसानों के साथ विश्वासघात है। रंजीत कांबले ने प्रहार नेता और पूर्व राज्य मंत्री बच्चू कडू द्वारा किए जा रहे अन्नत्याग आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार बार-बार आंदोलन को दबाने के लिए सिर्फ समितियों का गठन करती है, जिसका कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आता।

बच्चू कडू का आंदोलन किसानों की पीड़ा को उजागर करता है। सरकार ने अभी तक कर्जमाफी को लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सात दिन से भूख हड़ताल पर बैठे बच्चू कडू की तबीयत खराब हो गई है और उन्हें अब स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन उनके आंदोलन से सरकार को यह स्पष्ट संकेत मिल चुका है कि किसान अब चुप बैठने वाले नहीं हैं। यदि जल्द से जल्द कर्जमाफी की घोषणा नहीं हुई, तो राज्य में बड़ा जन आंदोलन खड़ा हो सकता है। रंजीत कांबले ने सवाल उठाते हुए कहा, "जब सरकार के पास हाईवे और अन्य परियोजनाओं के लिए हजारों करोड़ रुपये हैं, तो किसानों की कर्जमाफी के लिए पैसे की कमी कैसे हो सकती है?" उन्होंने दो टूक कहा कि किसानों के सातबारा से कर्ज हटाने के लिए समिति नहीं, बल्कि इच्छाशक्ति चाहिए। अंत में उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द फैसला नहीं लिया, तो किसानों का आक्रोश संभालना मुश्किल होगा। कांग्रेस की स्पष्ट भूमिका है कि बिना शर्त और पूर्ण कर्जमाफी ही किसानों की राहत का एकमात्र रास्ता है।

2017 के वार्ड ढांचे के अनुसार ही कार्यक्रम तय हुआ

> अमरावती जिला परिषद में 59 वार्ड और पंचायत समिति में 118 वार्ड होंगे

अमरावती.

मिनी मंत्रालय माने जाने वाले अमरावती जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव की प्रक्रिया ने भी गति पकड़ ली है। राज्य सरकार द्वारा आगामी स्थानीय चुनावों के संबंध में आदेश जारी किए जाने के बाद स्थानीय मशीनरी ने काम करना शुरू कर दिया है।

इस वर्ष के जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव न्यायालय के आदेश के अनुसार 2017 में तय किए गए वार्ड ढांचे के अनुसार ही होंगे। इसलिए यह स्पष्ट हो गया है कि जिला परिषद के 59 हलके और पंचायत समिति के 118 वार्ड 2017 के अनुसार ही रहेंगे। फिलहाल जिला परिषद समेत 14 पंचायत समितियों में प्रशासक हैं। राजनीतिक पदाधिकारी इन स्थानीय स्वशासन निकायों के चुनावों का साढ़े तीन साल से इंतजार कर रहे थे। पिछले महीनों में जब मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित था, तो कोर्ट ने चार महीने के भीतर सभी स्थानीय स्वशासन निकायों के चुनाव कराने के आदेश दिए और सरकार ने काम करना शुरू कर दिया।

लेकिन वर्ष 2022 में जिला परिषद द्वारा बनाई गई वार्ड सूची में सदस्यों की संख्या 59 से बढ़ाकर 66 कर दी गई और गांव में समितियों की संख्या 118 से बढ़ाकर 132 कर दी गई। इसलिए गांव के प्रधानों में इस बात को लेकर असमंजस की स्थिति थी कि आखिर किस संख्या के अनुसार चुनाव होंगे। लेकिन गुरुवार को सरकार के आदेश से तस्वीर साफ हो गई है। अब सरकार ने 2017 की वार्ड संरचना को बरकरार रखते हुए चुनाव कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद प्रशासन ने चुनाव पूर्व काम शुरू कर दिया है और 14 जुलाई से 18 अगस्त तक वार्ड संरचना कार्यक्रम को लागू किया जाएगा।

इस दौरान जनता से सुझाव और आपत्तियां स्वीकार की जाएंगी और उन पर सुनवाई की जाएगी। इस पृष्ठभूमि में, यह संभावना है कि जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनावों की घोषणा चुनावों के बाद ही की जाएगी और यह स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के पुनर्गठन के लिए एक महत्वपूर्ण चरण होगा।

एक दिन में 1,214 कृषि केंद्रों का निरीक्षण, जिला कृषि अधीक्षक राहुल सातपुते ने दी जानकारी

अमरावती. जिला कलेक्टर आशीष येरेकर की संकल्पना पर शनिवार 13 जून को बलिराजा के लिए एक दिवसीय अभियान चलाया गया। इस अभियान में अधिकारियों और कर्मचारियों ने 1,434 कृषि आदान केंद्रों में से 1,214 कृषि आदान केंद्रों का सामान्य निरीक्षण किया, ऐसी जानकारी जिला कृषि अधीक्षक राहुल सातपुते ने दी। इस अभियान में प्रत्येक कृषि आदान बिक्री केंद्र पर सभी ग्राम राजस्व अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, सहायक कृषि अधिकारी, उप कृषि अधिकारी, मंडल अधिकारी, मंडल कृषि अधिकारी आदि को नियुक्त किया गया और उनकी उपस्थिति में पूरे दिन कृषि केंद्रों में बीज, खाद और कीटनाशकों की बिक्री के साथ-साथ सामान्य मामलों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार, कृषि आदानों, बीज एवं उर्वरकों को एमआरपी से अधिक दर पर बेचना, अन्य आदानों के साथ-साथ बीज एवं रासायनिक उर्वरकों का रिसाव करना, उपलब्ध होने पर बीज एवं रासायनिक उर्वरक उपलब्ध न कराना, अनाधिकृत बीज बेचना, नकली कीटनाशक बेचना आदि शिकायतों के आलोक में निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान जिले में कुल 1,434 कृषि आदान केन्द्रों में से 1,214 कृषि आदान केन्द्रों का सामान्य निरीक्षण किया गया। शेष 220 में से कुछ की निरीक्षण रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है। कुछ कृषि केन्द्र बंद पाये गये। विभिन्न मामलों की जांच की गई, जैसे कि कृषि केन्द्रों का नाम मोटे अक्षरों में है या नहीं, लाइसेंस दृश्य क्षेत्र में प्रदर्शित है या नहीं आदि।

मुआवजा नहीं मिलने से परेशान किसान ने विधायक संजय कुटे के घर को जलाने का किया प्रयास

बुलढाणा.

भारी बारिश से हुए नुकसान के बावजूद सरकार की ओर से 2022 का मुआवजा अभी तक नहीं मिला है। इसी के चलते 13 जून की रात को एक घटना घटी, जब बावनबीर (संग्रामपुर तहसील) के एक किसान ने पेट्रोल डालकर भाजपा विधायक संजय कुटे के घर को जलाने की कोशिश की। इस मामले में उसके खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। इस संबंध में विधायक संजय कुटे के निजी सहायक प्रकाश सदाशिव राउत ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके अनुसार, जब विधायक कुटे बंगले पर मौजूद थे, तभी शाम 7.45 बजे विशाल सुधाकर मुरुख (रा बावनबीर) हाथ में पेट्रोल का डिब्बा लेकर विधायक कुटे के घर के परिसर में घुस आया और जोर-जोर से चिल्लाने लगा कि बावनबीर और संग्रामपुर तहसील में भारी बारिश का पैसा अभी तक नहीं मिला है। केवाईसी के बाद भी तहसील कार्यालय संग्रामपुर अनुदान राशि खाते में जमा नहीं कर रहा है। यह कहते हुए उसने धमकी दी कि वह पूरा बंगला जला देगा। इसके आधार पर आरोपी किसान को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। 18,000 रुपए की सहायता राशि स्वीकृत बावनबीर में समूह क्रमांक 55 में सुधाकर नारायण मुरुख के पास सामूहिक रूप से 1 हेक्टेयर 75 आर भूमि है, जिसमें से 1 हेक्टेयर 40 आर भूमि वर्ष 2024 में भारी बारिश से प्रभावित हुई थी। कृषि भूमि के लिए 18,900 रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। अब खाते में राशि जमा होना बाकी है, ऐसा बावनबीर के ग्राम विकास राजस्व अधिकारी विश्वनाथ सुदेवद ने बताया।

वड्डोना-पिंपलखुटा उपसा सिंचाई योजना के काम में तेजी लाई जाए: फडणवीस

वर्धा. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में आज मुंबई के सह्याद्रि अतिथिगृह में आर्वी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने संबंधित अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वड्डोना-पिंपलखुटा उपसा सिंचाई परियोजना के कारण आर्वी और कारंजा तालुका के 31 गांवों का 7106 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचाई के अंतर्गत आएगा। चूंकि इस योजना से किसानों को काफी लाभ होगा, इसलिए इस योजना के काम में तेजी लाई जाए। इस योजना का प्रस्ताव 15 जुलाई तक राज्य तकनीकी सलाहकार समिति और उसके बाद सुप्रमा (संशोधित प्रशासकीय स्वीकृति) अनुमोदन के लिए मंत्रिमंडल की बैठक में प्रस्तुत किया जाए। कारंजा औद्योगिक क्षेत्र के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी निरीक्षण किया जाए। सिंचाई क्षेत्र की पुनः स्थापना का खर्च महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल (एमआईडीसी) द्वारा वहन किया जाना चाहिए तथा जल आरक्षण प्रस्ताव सरकार को भेजा जाना चाहिए। करेजा अतिरिक्त औद्योगिक क्षेत्र के लिए आवश्यक जल उपलब्धता के अनुसार जल संसाधन विभाग को विभिन्न विकल्पों का अध्ययन कर विस्तृत योजना तैयार करनी चाहिए।

इसके अनुसार जल उपयोग तथा उत्पादन की दक्षता का अध्ययन किया जाना चाहिए। साथ ही वैनगंगा-नलगंगा नदी जोड़ परियोजना से पानी को कर परियोजना में मोड़ने की संभावना की जांच की जानी चाहिए.

श्रेया बर्डे बनीं भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर, पिता की सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाया

हिंगनघाट. सुश्री श्रेया बर्डे ने प्रतिष्ठित एएफसीएटी परीक्षा (एयर फॉर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट) उत्तीर्ण कर भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर के रूप में चयनित होकर शहर और जिले का नाम गर्व से रोशन किया है। श्रेया, वर्तमान में भारतीय सेना में सूबेदार पद पर कार्यरत सतीश एन. बर्डे की सुपुत्री हैं। उनका निवास इंदिरा गांधी वार्ड, प्लॉट नंबर 565, हिंगणघाट - 442301 है। अपने पिता की सैन्य परंपरा से प्रेरित होकर श्रेया ने बचपन से ही देशसेवा को अपना लक्ष्य बना लिया था। उन्होंने एनसीसी (एयर विंग) से 'सी' सर्टिफिकेट प्राप्त किया है और विशेष बात यह है कि उन्होंने बिना किसी निजी कोचिंग के, केवल स्व-अध्ययन के बलबूते इस कठिन परीक्षा को पास किया है। श्रेया डॉ. डी. वाई. पाटिल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे में इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलिकम्युनिकेशन शाखा की अंतिम वर्ष की छात्रा हैं। कॉलेज में कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से उन्हें एक प्रसिद्ध मल्टीनेशनल कंपनी में उच्च वेतन पैकेज पर नौकरी भी प्राप्त हुई है।

सरकारी आश्रमशाला में नर्सों की भर्ती में बड़ा घोटाला

अभ्यर्थियों ने नियुक्ति के लिए पैसे लेने का लगाया आरोप

गोंदिया. एकीकृत बाल विकास परियोजना अधिकारी देवरी द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित की जाती हैं, जिनमें शासकीय आश्रम शालाएं भी शामिल हैं। सरकार ने इन सरकारी आश्रम विद्यालयों में नर्सों की भर्ती के लिए बाहरी स्रोतों को अनुमति दे दी थी। गोंदिया जिले के 12 सरकारी आश्रम स्कूलों में इन पदों की भर्ती के लिए एक बाहरी स्रोत द्वारा विज्ञापन दिया गया। हालांकि, स्थानीय अभ्यर्थियों का आरोप है कि नियुक्ति प्रक्रिया में बड़ी गड़बड़ी हुई है। सरकार ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए बाह्य स्रोतों यानी आउट सोर्सिंग के माध्यम से सरकारी आश्रम विद्यालयों में नर्सों की भर्ती शुरू की थी। इसमें गोंदिया जिले के 12 सरकारी आश्रम स्कूल शामिल थे। हालांकि, अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि बाहरी स्रोत ने नियुक्तियां करते समय स्थानीय अभ्यर्थियों को प्राथमिकता नहीं दी और उनके नाम सूची में होने के बावजूद उन्हें छोड़ दिया गया तथा उनकी जगह पैसे के बदले दूसरी जगहों से अभ्यर्थियों को नियुक्त कर लिया गया। पद के लिए आवेदन करने वाली महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि बड़ी रकम की मांग कर नियुक्ति की गई और पैसा न देने पर हमारा नाम सूची से हटा दिया गया। उन्होंने इसकी शिकायत देवरी व विभिन्न स्थानों पर परियोजना अधिकारी से की। इस समय परियोजना अधिकारी देवरी ने इस प्रक्रिया को आउटसोर्स कर दिया था। शिकायतकर्ता ने कहा कि यदि इसमें कोई शामिल है, तो हम जांच के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करेंगे। स्थानीय उम्मीदवारों की उपेक्षा की गई और जिन लोगों ने पैसा मुहैया कराया, उन्हें नियुक्त कर दिया गया। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इस मामले पर क्या निर्णय लिया जाता है। स्थानीय अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया है कि बड़े पैमाने पर धांधली हुई है और पात्र होने के बावजूद उनके नाम सूची से हटा दिए गए।

केदारनाथ हेलीकॉप्टर हादसे में वणी का जायसवाल परिवार हताहत, तीन लोगों की मौत

यवतमाल. उत्तराखंड के पवित्र तीर्थस्थल केदारनाथ में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। गौरीकुंड के पास एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया, जिसमें पायलट सहित कुल सात लोगों की मौत हो गई है। इस हादसे में महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के वणी तहसील से एक ही परिवार के तीन श्रद्धालुओं की मौत होने की पुष्टि हुई है। मृतकों की पहचान राजकुमार सुरेश जायसवाल (41), श्रद्धा राजकुमार जायसवाल (32) और उनकी दो वर्षीय बेटी काशी राजकुमार जायसवाल के रूप में हुई है। यह हादसा रविवार सुबह लगभग 5:30 बजे हुआ, जब आर्यन एविएशन कंपनी का हेलीकॉप्टर केदारनाथ मंदिर से श्रद्धालुओं को लेकर गौरीकुंड की ओर लौट रहा था। इस बीच त्रिजुगीनारायण और गौरीकुंड के जंगलों के बीच खराब मौसम के चलते हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, घना कोहरा और बारिश के चलते पायलट को दृश्यता में समस्या आई, जिससे यह हादसा हुआ। हेलीकॉप्टर में पायलट समेत कुल छह श्रद्धालु सवार थे, जिनमें से सभी की मृत्यु हो गई है। इस घटना ने उत्तराखंड प्रशासन और स्थानीय प्रशासन को भी सकते में डाल दिया है। राहत और बचाव दल ने घटनास्थल पर पहुंचकर शवों को निकालने का कार्य शुरू किया। इस हादसे में यवतमाल जिले का जायसवाल परिवार पूरी तरह उजड़ गया। विशेष बात यह है कि राजकुमार जायसवाल और श्रद्धा जायसवाल का 4 वर्षीय बेटा विवान, जो पंढरकवड़ा में अपने दादा-दादी के पास था, केदारनाथ यात्रा पर साथ नहीं गया था, जिससे उसकी जान बच गई। अब वह बालक अनाथ हो गया है। राजकुमार जायसवाल हाल ही में वणी शहर में एक भव्य "काशी शिव महापुराण" का आयोजन कर चर्चा में आए थे। धर्म के प्रति उनकी गहरी आस्था थी और इसीलिए वे पूरे परिवार के साथ केदारनाथ यात्रा पर निकले थे। लेकिन यह यात्रा उनके जीवन की आखिरी यात्रा साबित हुई।

बच्चू कडु की भूख हड़ताल अपनी खोई जमीन वापस पाने का प्रयास तो नहीं, उठ रहा सवाल

अमरावती.

बच्चू कडू एक आक्रामक और सीधे नेता हैं। एक ऐसा नेता जो सरकार की गलतियों को इंगित करता है, जो किसी से नहीं डरता, किसी की नहीं सुनता और बेबाक टिप्पणी करता है। चाहे किसानों और खेत मजदूरों के मुद्दे हों, विकलांग भाइयों की जरूरतें हों या ग्रामीण विकास का मुद्दा हो, बच्चू कडू ने हमेशा अपनी आवाज बुलंद की है। लेकिन यही बच्चू कडू 2024 के चुनाव में बुरी तरह हार हुई और किंगमेकर बनने के उनके सपने चकनाचूर हो गए।

यह हार ही वह वजह बनी जिसकी वजह से कडू सक्रिय राजनीति से किनारे हो गए और अब राज्य में चर्चा है कि क्या बच्चू कडू ने भूख हड़ताल के रूप में कोई रास्ता निकाला है। अब सवाल यह है कि क्या बच्चू कडू की यह भूख हड़ताल वाकई लोगों के अंतरंग मुद्दों के लिए है? या अपनी खोई हुई राजनीतिक ताकत वापस पाने के लिए? उनकी मांगें महत्वपूर्ण हैं, जैसे किसानों की कर्जमाफी, खेत मजदूरों के अधिकार, विकलांगों का जीवन स्तर, विधवाओं के मुद्दे, ग्राम पंचायत कर्मचारियों का भविष्य, ओबीसी आरक्षण का मुद्दा, ये सभी महत्वपूर्ण हैं। लेकिन बच्चू कडू मंत्री रहते हुए भी इन मुद्दों को हल कर सकते थे।

उनके पास स्कूली शिक्षा, जल संसाधन, श्रम, सामाजिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण विभाग थे। बच्चू कडू सत्ता हथियाने के लिए सीधे गुवाहाटी चले गए, शिंद गुट में शामिल हो गए, महायुति का हिस्सा बन गए। वे कैबिनेट में भी शामिल हो गए। लेकिन, उन्होंने तब ये मुद्दे क्यों नहीं उठाए, जबकि उनके पास वहां निर्णय लेने या काम करने का अवसर था? अब जब वे विपक्ष में हैं, तो उन्हें ये सभी मुद्दे क्यों याद आए? क्या वाकई बच्चू कडू की भूख हड़ताल और राजनीतिक समीकरण के बीच कोई संबंध है? यह सवाल अब सामने आ गया है। राजनीति में भूख हड़ताल बारिश की तरह होती है। जैसे नदी को बहने के लिए बारिश की जरूरत होती है, वैसे ही राजनेताओं को राजनीतिक प्रवाह में बने रहने के लिए भूख हड़ताल और आंदोलन की जरूरत होती है।" लेकिन सवाल यह है। जब वे सत्ता में थे, तब इन मुद्दों पर काम क्यों नहीं किया गया? तब ये मुद्दे क्यों नहीं सुलझे? आज भी न तो भाजपा और न ही शिंदे गुट बच्चू कडू के अनशन पर ज्यादा ध्यान देता दिख रहा है। क्या सरकार उनकी मांगों को नजरअंदाज कर रही है? या फिर दोनों पार्टियां बच्चू कडू की अहमियत कम करने की चाल चल रही हैं?

अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे रहे हैं

कांग्रेस और शरद पवार गुट इस आंदोलन को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे रहे हैं। तो क्या वाकई यह अनशन जनता की भलाई के लिए है? या फिर यह नए राजनीतिक समीकरणों की परीक्षा है? कुल मिलाकर यह तो माना जा रहा है कि बच्चू कडू की मांगें अहम हैं। लेकिन यह सवाल अनुत्तरित है कि क्या इनके पीछे अपना राजनीतिक अस्तित्व फिर से हासिल करने की कोशिश है। आने वाले दिनों में इन सवालों के जवाब जरूर मिलेंगे। उम्मीद है ऐसा ही होगा।

डॉ. प्रीतम गेडाम 'विदर्भ गौरव पुरस्कार 2025' से सम्मानित

समाजसेवा और लेखन में अद्वितीय योगदान की पहचान

नागपुर.

आज के बदलते सामाजिक परिदृश्य में, जहां परोपकार और निस्वार्थ सेवा की भावना धीरे-धीरे कम होती जा रही है, वहीं कुछ व्यक्तित्व अब भी अपने कार्यों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की अलख जगा रहे हैं। ऐसे ही व्यक्तित्व हैं नागपुर के प्रसिद्ध लेखक, समाजसेवी और शिक्षाविद् डॉ. प्रीतम भीमराव गेडाम, जिन्हें उनके उत्कृष्ट लेखनकार्य और सामाजिक योगदान के लिए 'विदर्भ गौरव पुरस्कार 2025' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 'वीर शिव छत्रपति संगठन', 'एस.आर.एन. फिल्म प्रोडक्शन' और 'न्यूज इंडिया 24' के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। समारोह नागपुर के कविवर्य सुरेश भट्ट सभागृह में संपन्न हुआ, जहां विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित कलाकारों, साहित्यकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही।

आयोजन की शोभा बढ़ाने वाले अन्य विशिष्ट अतिथियों में न्यूज इंडिया 24 की संपादिका शीतल नंदनवार, फिल्म प्रोडक्शन मैनेजर दीक्षा देशमुख, अभिनेता सूरज कडू, अभिनेत्री रोशनी सेलोकर, लावणी क्वीन डॉ. विद्याश्री येमचे, गायक भूषण जाधव, और निर्देशक सागर निकम प्रमुख रहे। विदर्भ गौरव पुरस्कार" उन व्यक्तियों को सम्मानित करने का माध्यम है जिन्होंने कला, साहित्य, समाज सेवा या जनजागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। यह पुरस्कार न केवल सम्मान है, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा स्रोत भी है। डॉ. गेडाम को मिले इस सम्मान पर उन्हें हर तरफ से शुभकामनाएं और बधाइयाँ प्राप्त हो रही हैं। इससे पहले भी उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

सामाजिक प्रतिबद्धता का ज्वलंत उदाहरण

डॉ. गेडाम विगत कई वर्षों से सामाजिक समस्याओं, पर्यावरण, नशामुक्ति, स्वच्छता, करियर मार्गदर्शन, रोजगारोन्मुख सलाह, शैक्षिक परामर्श और जनजागरूकता जैसे विषयों पर लेखन और व्याख्यान के माध्यम से समाज को दिशा दे रहे हैं। उनके हजारों लेख देश-विदेश की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं व पोर्टलों में प्रकाशित हो चुके हैं। उनके कार्य को "इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स" में भी स्थान मिला है।

सम्मान समारोह में रहा कला और समाज का संगम

पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमंत राजे मुधोजी महाराज भोसले, विधायक मोहन मते, विधायक प्रवीण दटके, पुलिस उपाधीक्षक अशोक बाघुल, निर्माता-निर्देशक संजय भुजाडे, अभिनेता राम चौघुले, निर्माता दीपक पाटिल, कोरियोग्राफर समीर कुमार, सहित अनेक मराठी फिल्म और कला जगत के दिग्गज उपस्थित थे।

रामाकोना के बिछवी गांव में हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

सौंसर.

सौंसर तहसील के ग्राम पंचायत रामाकोना के आश्रित ग्राम बिछवी में शनिवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामाकोना की 24 एमपी बटालियन एनसीसी यूनिट, तर्कशील विचार समिति सौसर और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. प्रफुल्ल भोयर (मेडिकल ऑफिसर), डॉ. अमोल भक्ते और डॉ. अनुराग शेंडे की प्रमुख उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी के एनओ विश्वेश्वर रंगारे, तर्कशील विचार समिति के सचिव पी.के.एस. गुर्वे एवं सामाजिक कार्यकर्ता दिनकर पातुरकर ने किया। इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया और बीपी, शुगर सहित अन्य स्वास्थ्य जांच करवाई गई। सभी मरीजों को निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। इस अवसर पर शाला से प्रभारी प्राचार्य रत्नाकर भकने और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी चंद्रकांत नाचनकर भी मौजूद रहे। शिविर की सफलता में आराधना सोनी (सीएचओ), शिला वहाने (एएनएम), कल्पना गुर्वे, सुमित्रा ढोने (आशा), रजनी ढोने (आंगनवाड़ी), सुनिता तुमडाम (सहायिका), अक्षय ढोने (कोटवार), कृणाल पातुरकर, जयश्री फरकसे, निखिल भागने, यश गुर्वे, महेंद्र तिवारी, प्रथा कापसे, अंजलि बागड़े, शिवानी काकड़े सहित 30 एनसीसी कैडेट्स और 15 पूर्व एलुमनाई कैडेट्स का सराहनीय योगदान रहा। गौरतलब है कि ग्राम बिछवी को समग्र ग्राम विकास अभियान के अंतर्गत गोद लिया गया है, और यह पहला स्वास्थ्य शिविर इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

जीजा के घर में साले ने ही मारी सेंध

> 6.50 लाख का माल उड़ाया

नागपुर.

गिट्टीखदान थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है, जहां एक युवक ने अपने ही जीजा के घर में सेंध लगाकर 6.50 लाख रुपये का माल चोरी कर लिया। चोरी की यह वारदात डुप्लीकेट चाबी की मदद से की गई। पुलिस ने संदेह के आधार पर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने चोरी की बात कबूल कर ली। आरोपी की पहचान देवकी वृंदावन सिटी निवासी नितेश उर्फ चिंटू टेकबहादुर कारकी (33) के रूप में हुई है। चिंटू ने अपने जीजा पृथ्वी जीतबहादुर सिंह के घर से यह चोरी की थी। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर 6.07 लाख रुपये का चोरी का माल बरामद कर लिया है, जिसमें 49,000 रुपये नकद भी शामिल हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना 7 जून की है। सेमिनरी हिल्स निवासी पृथ्वी सिंह (56) अपने परिवार के साथ मध्यप्रदेश के बैतूल स्थित बालाजीपुरम घूमने गए थे। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने घर की डुप्लीकेट चाबी से मुख्य दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश किया और बेडरूम की अलमारी से सोने-चांदी के आभूषण, हीरे के गहने और नकदी समेत कुल 6.50 लाख रुपये का माल चुरा लिया। चोर ने जाते समय दरवाजे को दोबारा लॉक भी कर दिया, जिससे किसी को शक न हो। घटना के अगले दिन जब परिवार वापस लौटा तो सब कुछ सामान्य लगा। लेकिन 12 जून को जब अलमारी खोली गई, तो गहने और नकदी गायब मिली। इसके बाद तुरंत गिट्टीखदान थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया। पूछताछ के दौरान घरवालों ने चिंटू पर शक जताया, जो पीड़ित की अक्कड़ सास का बेटा है। पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और पूछताछ की। थोड़ी सख्ती बरतने पर उसने चोरी की बात स्वीकार कर ली। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

सौंसर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

7 एकड़ अतिक्रमित वन भूमि को कराया मुक्त

सौंसर.

छिंदवाड़ा पूर्व वनमंडल अंतर्गत वन परिक्षेत्र छिंदवाड़ा की उमरानाला बीट में वन विभाग ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 7 एकड़ वन भूमि को गैर-आदिवासी अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराया है। यह अभियान वन संरक्षक मधु व्ही. राज के निर्देश, वनमंडलाधिकारी एल. के. वासनिक और उपवनमंडलाधिकारी भारत सोलंकी के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वनकक्ष क्रमांक 1278 व 1282 में दो व्यक्तियों — उमाबाई पति राजाराम कुमरे (उम्र 37, निवासी मुरदई) और शंभू पिता देवमन साहू (उम्र 54, निवासी मोहखेड़) — द्वारा अवैध कब्जा किया गया था। वन परिक्षेत्र छिंदवाड़ा की टीम ने करीब 16 घंटे तक लगातार मेहनत करते हुए जेसीबी मशीन की सहायता से सीपीटी (कैटल प्रोहिबिटेड ट्रेंच) यानी पशु अवरोधक खंती और कंटूर ट्रेंच का निर्माण किया। इस तकनीकी और प्रभावशाली कार्रवाई से अतिक्रमण हटाया गया और आगे के लिए भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। सीमित संसाधनों में भी वन विभाग की इस योजनाबद्ध और दृढ़संकल्पित कार्रवाई की व्यापक सराहना हो रही है। स्थानीय प्रशासन, पर्यावरण प्रेमी और जनप्रतिनिधियों ने इसे वन क्षेत्र की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। यह कार्यवाही वन भूमि की सुरक्षा के साथ-साथ अवैध अतिक्रमण के खिलाफ विभाग की सख्त नीति को भी दर्शाती है।

मोदी के 11 वर्षों के गौरवशाली कार्यकाल पर भोपाल में पत्रकार वार्ता

भोपाल.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा बीते 11 वर्षों में जन-आधारित और पारदर्शी शासन की स्थापना पर आज मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने भोपाल में आयोजित पत्रकारवार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी है, जिससे विकसित भारत और अमृतकाल के सपनों को धरातल पर साकार होते देखा जा रहा है। नागर ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉरमेंस' की नई संस्कृति स्थापित हुई है, जिसने पुरानी तुष्टिकरण और विभाजन की राजनीति को बदल दिया है। उन्होंने कहा, 'आज देश की जनता का मानना है – मोदी हैं तो मुमकिन है।' उन्होंने प्रधानमंत्री के साहसिक और ऐतिहासिक निर्णयों की सूची दी, जिसमें अनुच्छेद 370 का हटाना, तीन तलाक समाप्ति, नया वक्फ कानून, नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण शामिल हैं। आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाइयों जैसे सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक को भी उन्होंने 'न्यू नॉर्मल' बताया। मोहन नागर ने समाज के हर वर्ग के सशक्तिकरण पर भी प्रकाश डाला। पिछले 11 वर्षों में अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी और महिलाओं को शिक्षा, रोजगार व नेतृत्व के क्षेत्रों में व्यापक अवसर मिले हैं। उन्होंने नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या में भारी कमी और हिंसा तथा सुरक्षा बलों के हताहतों में उल्लेखनीय गिरावट का भी उल्लेख किया।

गरीबी उन्मूलन को प्रधानमंत्री मोदी ने मिशन के रूप में लिया है। 27 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर योजना से 3.9 लाख करोड़ रुपये के लीकेज रोके गए, जिससे लाभार्थियों को पूरा लाभ मिला। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ मकान बनाकर गरीबों को स्थायी आवास दिया गया है। आर्थिक दृष्टि से भी भारत ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। मोदी सरकार के आर्थिक अनुशासन और योजनाबद्ध फैसलों के कारण भारत अब विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। विदेशी मुद्रा भंडार, निर्यात, विदेशी निवेश और टैक्सपेयर संख्या में भारी वृद्धि ने देश की मजबूती को दर्शाया है।

नागर ने बताया कि सरकार ने हर चुनौती का सक्रिय और जवाबदेह रूप से सामना किया है। ऑपरेशन गंगा, वंदे भारत मिशन, और वैक्सीन मैत्री कार्यक्रम इसके प्रमुख उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता ने देश को भविष्य की ओर अग्रसर किया है। कोविड-19 के दौरान जनता के सहयोग से बड़े पैमाने पर टीकाकरण कराया गया। एआई मिशन, चंद्रयान-3, आदित्य एल-1 और गगनयान मिशन जैसी महत्वाकांक्षी योजनाएं देश की भविष्य की दिशा को उजागर करती हैं। अंत में, मोहन नागर ने कहा कि यह सरकार पारदर्शी, जवाबदेह और भविष्यवादी है, जिसने असंभव को संभव कर दिखाया है। प्रेस वार्ता में पूर्व मंत्री नाना भाऊ मोहोड़, जिला अध्यक्ष संदीप मोहोड़, जिला प्रभारी अनिल कुशवाह, प्रदेश प्रवक्ता अजय धवले, वरिष्ठ नेता संतोष जैन, और पूर्व जिला अध्यक्ष राजू परमार प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

विमान दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तकनीक का उचित उपयोग आवश्यक: पं. शंकरप्रसाद अग्निहोत्री

वर्धा.

गुजरात के अहमदाबाद में हाल ही में हुई दिल दहला देने वाली विमान दुर्घटना को लेकर अग्निहोत्री कॉलेज, वर्धा में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पं. शंकरप्रसादजी अग्निहोत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि विमान दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विज्ञान और तकनीक का समुचित उपयोग आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि हवाई यात्रा की सुरक्षा कई पहलुओं पर निर्भर करती है, जिनमें तकनीकी प्रणाली, मानवीय दक्षता और मौसम की स्थितियाँ शामिल हैं। अगर इन सभी क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक का सही तरीके से उपयोग किया जाए, तो ऐसी त्रासदियों को काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने अहमदाबाद विमान हादसे को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह हादसा तकनीकी खामी या लापरवाही का नतीजा हो सकता है, जिसकी गहराई से जांच आवश्यक है। सभा में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171 (बोइंग 887 ड्रीमलाइनर) में जान गंवाने वाले सभी 241 यात्रियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था, लेकिन उड़ान भरने के कुछ क्षणों बाद ही जोरदार धमाके के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मृतकों में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, 1 कनाडाई और 7 पुर्तगाल निवासी शामिल थे। इस भयावह हादसे ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नीरजसिंह यादव, डॉ. गजानन जंगमवार, डॉ. चंद्रकांत कोठारे, डॉ. प्रसाद जुमले, डॉ. दिनेश वंजारी, डॉ. दीपक पुनसे, डॉ. रितेश सुले, प्रा. अभिषेक सिंह, गजानन दांडडे, पालीवाल सहित अनेक प्राध्यापक एवं छात्र उपस्थित थे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

पं. अग्निहोत्री ने अंत में दोहराया कि अगर हम भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचना चाहते हैं, तो विमानन क्षेत्र में तकनीकी उन्नति के साथ-साथ सख्त निगरानी और मानवीय प्रशिक्षण पर भी जोर देना होगा।

बियर बार में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नागपुर.

वाठोड़ा थाना क्षेत्र में दिघोरी चौक स्थित रमाश्री बियर बार में हुई चोरी की गुत्थी को क्राइम ब्रांच की यूनिट 4 ने सुलझा लिया है। बार से 25,000 रुपये नकद चुराने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान बड़ा ताजबाग निवासी शेख राजा शेख बाबा उर्फ राजा (20) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से 3,800 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन समेत कुल 8,800 रुपये का माल जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, करीब एक सप्ताह पहले रात 1 बजे से सुबह 7 बजे के बीच अज्ञात चोर ने दिघोरी चौक स्थित रमाश्री बियर बार का शटर तोड़कर काउंटर में रखे 25,000 रुपये चुरा लिए थे।

शुभांक		
श्रीदेवी	148-3	128-1
श्रीदेवी नाईट	670-3	379-9

ऑरेंज टाइग्रेस वुमेन ने जीता 'विदर्भ विमेंस प्रो टी20 2025' का खिताब

नागपुर.

विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, जमथा में खेले गए फाइनल मुकाबले में ऑरेंज टाइग्रेस वुमेन ने नागपुर टाइटंस वुमेन को 16 रनों से हराकर विदर्भ विमेंस प्रो टी20 2025 की चैंपियन बन गईं।

फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरीं ऑरेंज टाइग्रेस वुमेन की कप्तान दिशा कसाट और सयाली शिंदे ने पारी की शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 35 रनों की साझेदारी की, जिसके बाद शिंदे 19 गेंदों में 12 रन बनाकर आउट हो गईं। दिशा कसाट ने 45 गेंदों में 42 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। टीम की स्टार बल्लेबाज़ अंकिता सुधीर भोङगड़े ने तेज़तर्रार 33 गेंदों में 50 रन बनाए। साई भोयर ने 11 गेंदों में 13 रनों का योगदान दिया। पहले पारी के अंत में ऑरेंज टाइग्रेस वुमेन ने 20 ओवर में 136/7 का स्कोर खड़ा किया। नागपुर टाइटंस वुमेन की ओर से आरती बहनवाल (2/22) और धारवी टेम्भुर्णे (2/29) ने दो-दो विकेट लिए, वहीं रुखसार अंसारी (1/29) और मोना मेश्राम (1/8) ने एक-एक विकेट झटका। 137 रनों का लक्ष्य का पीछा करते हुए नागपुर टाइटंस वुमेन की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम मात्र 5.4 ओवर में 25/6 के स्कोर पर संघर्ष कर रही थी। इसके बाद आरती बहनवाल और धारवी टेम्भुर्णे ने सातवें विकेट के लिए 51 रनों की अहम साझेदारी की। आरती ने 27 गेंदों में 26 रन बनाए, जबकि धारवी ने 26 गेंदों में 25 रन जोड़े। पारी के अंतिम ओवरों में मानसी बोरिकर ने 18 गेंदों में 23 रन बनाए और गर्गी सुनील वणकर 16 गेंदों में नाबाद 15 रन बनाकर खेल खत्म किया। टीम ने 20 ओवर में 120/9 रन बनाए और 16 रनों से मुकाबला गंवा दिया। ऑरेंज टाइग्रेस वुमेन की ओर से कोमल जानज़ाद सबसे सफल गेंदबाज़ रहीं जिन्होंने 4 ओवर में 17 रन देकर 4 विकेट झटके। त्रृत्ती लोढ़े (1/26), जान्हवी रंगनाथन (1/26) और अदिति पलंदुरकर (1/23) ने एक-एक विकेट लिया। बाकी के विकेट रन आउट के रूप में आए। विजेता टीम को 25 लाख व उप विजेता को 15 लाख मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी दिशा कसाट को मिला.